an>

Title: Need to include people belonging to Gowari, Mana, Halba, Dhangar, Injvar community of Maharashtra in the list of Scheduled Tribes.

श्री नाना पटोले **(भंडारा-गोंदिया) :** देश में, विशेषकर महाराष्ट्र में जनजातीय समुदाय के भीतर आज भी गोवारी, माना, हलबा, धनगर, इन्जवार आदि 33 ऐसी जनजातियों के समूह हैं जिनको अनुसूचित जनजातियों में शामिल नहीं किया गया है। देश की आजादी के 67 वर्ष उपरान्त भी उन्हें अनुसूचित जनजातियां में शामिल नहीं किये जाने से उनका सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक विकास नहीं हुआ है और वह आज भी वनवासी जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इस 33 जनजातियों के समूह द्वारा अपनी उचित मॉंग पूरी करने हेतु दिनांक 23 नवंबर 1994 में नागपुर विधान सभा सत्र के दौरान निकाले गए मोर्चे की भगदड़ में 114 गोवारियों की मौत हो गई थी। 67 वर्ष में अनुसूचित जनजातियों की संख्या में वृद्धि होने के बावजूद भी अभी तक 7 प्रतिशत से कम मिलने वाले आरक्षण में वृद्धि की जाए और इन 33 जनजातियों के समूह को भारतीय संविधान 1949 के अनुच्छेद 342 के अनुसार अनुसूचित जनजातियों में शामिल करने के संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा शीघ्र कार्यवाही करने की आवश्यकता है।